



दिल्ली पब्लिक स्कूल, जयपुर

कक्षा -10 विषय- हिन्दी

बड़े भाई साहब (अभ्यास-पत्र)

नाम :

अनुक्रमांक :

प्र.1 बड़े भाई साहब कहानी से आपको क्या प्रेरणा/शिक्षा/संदेश मिलता/ मिलती है ? संकेत बिंदु -

- जो कार्य हम स्वयं नहीं कर सकते, उसकी उम्मीद दूसरों से करना व्यर्थ है।
- पढ़ाई को सहज रूप में लें।
- रटा हुआ ज्ञान किसी काम में नहीं आता, समझने पर बल दें।
- अपनी समझ को विकसित करें क्योंकि व्यक्तित्व के संपूर्ण विकास के लिए खेलकूद और पढ़ाई दोनों आवश्यक हैं ।
- अनुभव से जीवन की वास्तविकताओं/चुनौतियों का सामना किया जा सकता है।
- बड़ों का आदर करना चाहिए। जैसे छोटा भाई कभी बड़े भाई को जवाब नहीं देता था।
- जो भी पढ़ें उसे अपने जीवन में आत्मसात करें।
- दूसरों के अनुभव से लाभ उठाएँ, उनके द्वारा की गई गलतियों से शिक्षा लेते हुए उन्हें दोहराने से बचना चाहिए।

प्र.2 बड़े भाई और छोटे भाई की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए।

बड़ा भाई

- बड़प्पन का एहसास
- अध्ययनशील
- उपदेश देने की कला में कुशल
- एकाग्रता का अभाव

छोटा भाई

- मस्तमौला स्वभाव
- खेलकूद का शौकीन
- एकाग्रचित
- आज्ञाकारी

	<ul style="list-style-type: none"> • संयमी • गंभीर प्रवृत्ति • अनुशासनप्रिय <p>घमंडी चंचल प्रवृत्ति प्रकृति प्रेमी</p> <p>नोट : - प्रत्येक बिंदु में 2-3 पंक्तियाँ उदाहरण सहित लिखें।</p>	
प्र.3	<p>अहंकार मनुष्य का विनाश कर देता है- इस कथन को स्पष्ट करते हुए बड़े भाई साहब ने कौन-कौन से उदाहरण दिए ?</p> <p>संकेत बिंदु - बड़े भाई ने अपनी सहज बुद्धि से भाँप लिया कि अब उनका आतंक और रौब छोटे भाई पर नहीं रहा इसलिए उन्होंने उसे समझाया कि केवल एक कक्षा में पास हो जाने पर अहंकार करना व्यर्थ है, घमंड तो बड़े-बड़े का नहीं रहा तो उसकी क्या हस्ती है। जिस तरह चक्रवर्ती रावण के अहंकार करने पर उसे कोई चुल्लू भर पानी देने वाला कोई नहीं रहा, शैतान के अहंकार के कारण वह स्वर्ग से नरक में ढकेला गया, शाहेरूम भीख माँग-माँग कर मर गया इसलिए आदमी को घमंड नहीं करना चाहिए।</p>	
प्र.4	<p>टाइम टेबिल के अनुसार न पढ़ पाने की समस्या सब बच्चों में होती है। लेखक ने इस संदर्भ में जो बातें बताई है, उनके आधार पर अपना मत प्रस्तुत कीजिए ?</p> <p>संकेत बिंदु - कथन बिल्कुल सत्य है। इसका प्रमुख कारण - पढ़ाई में मन न लगना, एकाग्रता का अभाव, भारी-भरकम टाइम टेबिल, उम्र के अनुसार होने वाले शारीरिक एवं मानसिक परिवर्तन भी हैं। किशोरावस्था में बच्चा अपनी बातों और कार्यों को सही और दूसरों के द्वारा कही गई बातों को तर्क की कसौटी पर कसने लगता है। कहानी में यही बताया गया है कि कथानायक का मन बड़े भाई साहब के उपदेशों के अनुसार पढ़ाई करने की अपेक्षा खेलकूद करने, पतंग उड़ाने, गप्पेबाजी करने और अपने हमउम्र दोस्तों के साथ घूमने-फिरने में थी।</p>	
प्र.5	<p>बड़े भाई ने पाठ्यक्रम की जटिलता का बखान किस प्रकार किया ?</p> <p>संकेत बिंदु - अंग्रेज़ी, गणित, हिंदी, सामाजिक ज्ञान सभी विषयों के बारे में 3-3 बिंदु लिखें।</p>	

<p>प्र.6</p>	<p>बड़े भाई साहब पाठ में शिक्षा प्रणाली की कौन-कौन सी कमियों को उजागर किया है ?</p> <p>संकेत बिंदु -</p> <ul style="list-style-type: none"> • प्राचीन शिक्षा व्यवस्था पर तीखा व्यंग्य - शिक्षा बाल केंद्रित नहीं थी। • शिक्षा का उद्देश्य महज बच्चे को किताबी कीड़ा बनाना है, व्यावहारिक ज्ञान का अभाव। • मूल्यांकन प्रणाली भी दोषपूर्ण। उचित मापदण्डों का अभाव। • बोझिल पाठ्यक्रम, अनावश्यक बातों का समावेश। • अध्यापकों के पढ़ाने के तरीकों में बदलाव की आवश्यकता। • पाठ्य सहगामी गतिविधियों का अभाव। 	
<p>प्र.7</p>	<p>‘बड़े भाई साहब’ कहानी में वर्णित कौन-कौन से जीवन मूल्यों को आप अपने जीवन में उतारना चाहेंगे और क्यों ?</p> <p>संकेत बिंदु -</p> <ul style="list-style-type: none"> • जीवन में अनुभव की महत्ता। • आज्ञाकारी और ज़िम्मेदारी का भाव। • समय नियोजन आवश्यक। • अहंकार का त्याग आवश्यक। • भाषा की मर्यादा आवश्यक। • किताबी ज्ञान को आत्मसात करना आवश्यक। • पढ़ाई को बोझ के रूप में न लेकर सहज रूप में लेना चाहिए। • रटने की अपेक्षा समझने पर ज़ोर देना चाहिए। समझी हुई बात लंबे समय तक दिमाग में रहती है। • पढ़ाई जहाँ मानसिक विकास के लिए आवश्यक है वहीं खेलकूद शारीरिक विकास के लिए आवश्यक। दोनों के मध्य संतुलन आवश्यक। 	
<p>प्र.8</p>	<p>कथन आधारित प्रश्न :-</p>	

रोहित भाई साहब मुझसे पाँच साल बड़े, लेकिन केवल तीन कक्षा आगे थे। उन्होंने भी उसी उम्र में पढ़ना शुरू किया था, जब मैंने शुरू किया लेकिन शिक्षा के मामले में वह जल्दबाजी से काम लेना पसंद न करते थे। इस भवन की बुनियाद खूब मज़बूत डालना चाहते थे, जिस पर आलीशान महल बन सके। एक साल का काम दो साल में करते थे। कभी-कभी तीन साल भी लग जाते थे। बुनियाद ही पुख्ता न हो तो मकान कैसे मज़बूत बने। मैं छोटी थी, वह बड़े थे। मेरी उम्र नौ साल की थी, वह चौदह साल के थे। उन्हें मेरी डांट-डपट और निगरानी का पूरा और जन्मसिद्ध अधिकार था और मेरी शालीनता इसी में थी कि उनके हुक्म को कानून समझूँ।

(1) 'तालीम के मामले में रोहित भाई साहब को जल्दबाजी पसंद नहीं थी।' - कथन से उनकी कौन-सी चारित्रिक विशेषता का पता चलता है ?

- (i) उन्हें जल्दबाजी पसंद नहीं थी।
- (ii) समय पर काम नहीं कर पाते थे।
- (iii) पढ़ाई में कमज़ोर थे।
- (iv) जल्दबाजी करने से काम बिगड़ जाता है।

(2) रोहित किसकी बुनियाद मज़बूत रखना चाहते थे ?

- (i) भवन की
- (ii) आलीशान महल की।
- (iii) मकान की।
- (iv) शिक्षा रूपी भवन की।

(3) 'मेरी शालीनता इसी में थी कि उनके हुक्म को कानून समझूँ।' - कथन से छोटी बहन का कौन-सा गुण झलकता है?

- (i) छोटी बहन में घमंड था।
- (ii) बड़े भाई में बड़प्पन का भाव था।
- (iii) छोटी बहन उसके सामने कमज़ोर पड़ती थी।
- (iv) छोटी बहन उनका आदर करती थी।

(4) रोहित को एक साल का काम करने में तीन साल क्यों लग जाते होंगे ?

	<p>(i) काम को ध्यानपूर्वक करने के कारण।</p> <p>(ii) एकाग्रता न हो पाने के कारण।</p> <p>(iii) काम बहुत बड़ा होता था।</p> <p>(iv) काम पेचिदा होने के कारण।</p>	
प्र.9	निम्नलिखित में से किस वाक्य में मुहावरे का प्रयोग सही नहीं है :-	
(1)	<p>(i) एवरेस्ट की चोटी पर चढ़ना लोहे के चने चबाने जैसा है।</p> <p>(ii) यह सुनहरा मौका हाथ से न जाने देना।</p> <p>(iii) रसगुल्लों को देखकर मेरे जिगर के टुकड़े-टुकड़े हो गए।</p> <p>(iv) सफलता पानी है तो सब प्रकार के पापड़ बेलने के लिए तैयार रहो।</p>	
(2)	<p>‘बोर्ड में प्रथम आना कोईनहीं है।’ - सटीक मुहावरे से रिक्त स्थान पूरा कीजिए :- ‘: -</p> <p>(i) आसान काम</p> <p>(ii) हँसी खेल</p> <p>(iii) ऐरे-गैरे का काम</p> <p>(iv) टेढ़ी खीर</p>	
(3)	<p>निम्नलिखित में से किस वाक्य में मुहावरे का प्रयोग सही है।</p> <p>(i) बर्फ को छूते ही मेरा हाथ ठंडा पड़ गया।</p> <p>(ii) दुकानदार ने अनेक साड़ियों के रंग दिखाए।</p> <p>(iii) मैंने आज पापा की जेब में हाथ डाला।</p> <p>(iv) थोड़ी सी सफलता से उसका सिर फिर गया।</p>	
(4)	<p>कक्षा में प्रथम आने पर नीतू के पाँव ? उचित मुहावरे से रिक्त स्थान पूरा कीजिए।</p> <p>(i) टूट गए।</p> <p>(ii) ज़मीन पर नहीं पड़ते।</p> <p>(iii) तले ज़मीन सरक गई।</p> <p>(iv) उखड़ गए।</p>	